राजभाषा के प्रचार-प्रसार को दे बढ़ावा –प्रो. आनंद वर्धन शर्मा

हिंदी विवि में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

वर्धा, 29 अप्रैल 2016: राजभाषा हिंदी में कार्य कर उसके अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना चाहिए। कार्यालयों का काम-काज हिंदी भाषा में करने से हिंदी को संबल मिलेगा। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने व्यक्त किये। वे विश्वविद्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

भाषा विद्यापीठ के सभागार में आयोजित बैठक में विवि के संयुक्त कुलसचिव कादर नवाज़ खान, राजभाषा अधिकारी राजेश यादव, वर्धा स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र के सुनील पुराणिक, न्यू इंडिया इंश्योरंस कंपनी के आर. सुंदरेशन, अजय सुर्यवंशी, इलाहाबाद बैंक के मंगल सिंह मण्डलोई, बैंक ऑफ इंडिया के अमित हूड, एमगिरी के डॉ. मनोरंजन पटनायक, विशेष श्रीवास्तव, पावरग्रिड कार्पोरेशन देवली के आर. एम. वासनिक, डाक विभाग के नरेंद्र जिकार, दूरदर्शन प्रक्षेपण केंद्र के नंदकुमार वानखेडे, विवि के जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, अनुवादक आरती गुडधे आदि उपस्थित थे।

बैठक में यूनीकोड में कार्य का प्रशिक्षण, मूल पत्राचार में हिंदी का प्रयोग, द्विभाषी हिंदी मोहरों का प्रयोग, नराकास वर्धा की पत्रिका का प्रकाशन आदि विषयों पर चर्चा की गयी। समिति के विस्तार के लिए जिले के अन्य स्थानों पर कार्यरत अधिकारियों को निमंत्रित करने का सुझाव नंदकिशोर वानखेडे ने दिया।

बैठक से पूर्व उपस्थित सदस्यों को यूनिकोड के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया। लीला प्रभारी गिरीश पाण्डेय तथा उनके सहयोगियों ने यूनिकोड का महत्व और उसके उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया। बैठक के समापन पर संयुक्त कुलसचिव कादर नवाज़ खान ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजभाषेच्या प्रचार-प्रसाराला प्रोत्साहन आवश्यक –प्रो. आनंद वर्धन शर्मा

हिंदी विश्वविद्यालयात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितीची बैठक

वर्धा, 29 एप्रिल 2016: राजभाषा हिंदीमध्ये कार्य करुन हिंदीचा अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करण्याची आवश्यकता आहे. केंद्रीय कार्यालयांचे काम-काज हिंदीमधून केल्यास हिंदीला प्रोत्साहन मिळेल असा विश्वास महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा यांनी व्यक्त केला. ते विश्वविद्यालयात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितीच्या बैठकीत बोलत होते.

भाषा विद्यापीठाच्या सभागृहात आयोजित बैठकीला विश्वविद्यालयाचे संयुक्त कुलसचिव कादर नवाज खान, राजभाषा अधिकारी राजेश यादव, वर्धेतील बँक ऑफ महाराष्ट्रचे सुनील पुराणिक, न्यू इंडिया इंश्योरंस कंपनीचे आर. सुंदरेशन, अजय सुर्यवंशी, इलाहाबाद बँकेचे मंगल सिंह मण्डलोई, बँक ऑफ इंडियाचे अमित हूड, एमगिरीचे डॉ. मनोरंजन पटनायक, विशेष श्रीवास्तव, टपाल विभागाचे नरेंद्र जिकार, दूरदर्शन प्रक्षेपण केंद्राचे नंदकुमार वानखेडे, पावरग्रिड कार्पोरेशन देवळीचे आर. एम. वासनिक, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, अनुवादक आरती गुडधे उपस्थित होते.

बैठकीत कंप्यूटरवर कार्य करण्यासाठी यूनीकोडचे प्रशिक्षण, मूळ पत्रव्यवहार हिंदीतून करावा, द्विभाषी हिंदी शिक्यांचा प्रयोग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिती वर्धा च्या वतीने नियतकालिक सुरू करणे इत्यादी विषयांवर चर्चा करण्यात आली. समितीच्या विस्ताराकरिता जिल्हयातील इतर ठिकाणी असलेल्या केंद्रीय कर्मचा-यांना निमंत्रित करण्यात यावे अशी सूचना नंदकिशोर वानखेडे यांनी केली.

बैठकीच्या आधी सर्व सदस्यांना विश्वविद्यालयात यूनिकोडचे प्रशिक्षण देण्यात आले. लीला प्रभारी गिरीश पाण्डे आणि त्यांच्या सहकार्यांनी सदस्यांना प्रशिक्षित केले. बैठकीचे आभार कादर नवाज खान यांनी मानले.